वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 278 शुक्रवार 6 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विधानसभा में कहा

चिकित्सा विभाग में भर्तियों का सबसे ज्यादा फायदा जनजाति एवं रेगिस्तानी क्षेत्रों को मिला

जयपुर. कासं

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा नर्सिंग स्टाफ सहित 25 हजार विभिन्न अराजपत्रित पदों पर भर्तियां की गई हैं। पोर्टल के माध्यम से अधिक रिक्तियों वाले क्षेत्रों में नियुक्तियां दी गई हैं। सिंह ने कहा कि इसका सबसे अधिक लाभ जनजाति और रेगीस्तानी इलाकों को मिला है, जहां सबसे ज्यादा रिक्त पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग में 25 हजार और भर्तियां की जा रही हैं। उनमें भी इन क्षेत्रों का ध्यान रखा जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक जयकृष्ण पटेल द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र बागीदौरा में कुल 117 उप केन्द्र संचालित हैं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 14 हैं। इसी प्रकार 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं तथा 2 उप जिला चिकित्सालय संचालित हैं। उन्होंने बताया कि इन चिकित्सालयों में कुल 438 अराजपत्रित पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 303 भरे हुए हैं तथा 135 रिक्त हैं। इसी प्रकार चिकित्सकों के 50 पदों में से 30 पद भरे हुए हैं तथा 20 रिक्त हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि बागीदौरा में चिकित्सा अधिकारियों के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले सदस्य पटेल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने विधान सभा क्षेत्र बागीदौरा में वर्ष 2021 से 2025 तक विभाग में आयोजित समीक्षा बैठकों में लिये गये निर्णय एवं उनकी पालना की वर्तमान स्थिति का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र बागीदौरा में संचालित चिकित्सा संस्थानों में राजपत्रित एवं अराजपत्रित संवर्ग के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण भी सदन के पटल पर रखा।

सरकारी भवनों की शिलापट्टिकाओं पर जन प्रतिनिधियों का ही नाम लिखे जाने का नियम

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि केकड़ी जिला अस्पताल में मातृ एवं शिशु चिकित्सा इकाई का कार्य लगभग पूरा हो गया है तथा उद्घाटन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पूर्व में इस इकाई के भवन निर्माण का काम पूरा हुए बिना ही उद्घाटन किये जाने तथा शिलापट्टिका पर नियमविरुद्ध नाम लिखे जाने की जांच कराई जाएगी। साथ ही प्रदेश में अन्य चिकित्सा संस्थानों के भवनों पर भी नियम विरुद्ध लिखे गए शिलालेखों को हटाया जाएगा। सिंह प्रश्नकाल के दौरान विधायक शत्रुघ्न गौतम द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि नियमानुसार सरकारी भवनों की शिलापट्टिकाओं पर सांसद से लेकर सरपंच तक चुने हुए जन प्रतिनिधियों का ही नाम होना चाहिये। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसका उल्लंघन होने पर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 30 सितम्बर 2023 को आचार संहिता लगने से मात्र तीन दिन पहले आनन फानन में केकड़ी जिला अस्पताल की मातृ एवं शिशु चिकित्सा इकाई के अधूरे बने भवन का उद्घाटन कर दिया गया। साथ ही नाम पट्टिका पर भी चुने हुए जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त अन्य नाम अंकित कर दिये गए। चिकित्सा मंत्री ने बताया कि उद्घाटन के लिए विभाग द्वारा अनुमति भी नहीं ली गई थी।

खाद्य सुरक्षा पोर्टल के माध्यम से पात्र लाभार्थी जुड़वा सकते हैं नाम : रावत

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के नाम जोड़ने के लिए वर्तमान में पोर्टल खुला है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी आवेदन कर खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़वा सकता है। रावत प्रश्नकाल में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री की ओर से सदस्य रफीक खान द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि जयपुर शहर में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 26 फरवरी 2026 तक कुल 1,36,977 राशन कार्डधारी पंजीकृत हैं। राज्य सरकार द्वारा अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य के साथ चलाए गए गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना के सक्षम लाभार्थियों ने अपने नाम हटवाए हैं।

एंटी साइक्लोन के असर से तेज हुई गर्मी

जयपुर. कासं

अरब सागर में एंटी साइक्लोन बनने के कारण राजस्थान में गर्मी अचानक तेज हो गई है। पश्चिमी दिशा से चल रही गर्म हवा के चलते सीमावर्ती जिलों में झुलसाने वाली गर्मी की शुरूआत हो चुकी है। बुधवार को बाड़मेर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार जयपुर, अजमेर, चूरू और उदयपुर में भी अधिकतम तापमान करीब 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज मापा गया। हालांकि दिन में गर्मी बढ़ने के बावजूद रात के समय लोगों को ठंडक का अहसास हो रहा है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे मापा जा रहा है। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो से तीन दिनों में राज्य में तापमान में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। इसके साथ ही पश्चिमी जिलों में गर्म हवा चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में आसमान साफ रहा और तेज धूप के कारण तापमान में बढ़ोतरी हुई। उदयपुर, श्रीगंगानगर, कोटा, जोधपुर, जैसलमेर, जयपुर, चूरू, बीकानेर और अजमेर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही, जहां अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

रात के तापमान में हल्की गिरावट

दिन में बढ़ती गर्मी के बावजूद शाम ढलते ही तापमान में गिरावट आ रही है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। कई शहरों में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच रहा है। बीते दिन सबसे ठंडी रात पाली में रही, जहां न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं फतेहपुर (सीकर) में 11 डिग्री और करौली में 11.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान मापा गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान में अचानक बढ़ी गर्मी के पीछे मुख्य कारण गुजरात-पाकिस्तान से सटे अरब सागर में बना एंटी साइक्लोन है। इस प्रणाली में हवा घड़ी की दिशा में घूमते हुए ऊपर से नीचे की ओर तेजी से आती हैं, जिससे उच्च दबाव की स्थिति बनती है और आसमान साफ रहता है। एंटी साइक्लोन बनने से हवा पाकिस्तान की ओर से घूमकर सीधे राजस्थान में प्रवेश कर रही हैं, जिसके कारण राजस्थान के साथ गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है।

विश्व युद्ध की कगार पर खड़े संसार को महावीर के सिद्धांतों की जरूरत: कलेक्टर साकेत मालवीय

थूवोनजी में 'खड़े बाबा' का 108 कलशों से महामस्तिकाभिषेक, भव्य मेला महोत्सव और चल समारोह संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जिले के सुप्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में भगवान आदिनाथ (खड़े बाबा) के महामस्तिकाभिषेक के साथ वार्षिक मेला महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर साकेत मालवीय उपस्थित रहे।

महामस्तिकाभिषेक और शांतिधारा

प्रातः काल से ही अंचल के हजारों श्रद्धालु निःशुल्क बसों द्वारा क्षेत्र पर पहुँचे। पंडित अमित शास्त्री एवं शैलेन्द्र श्रागर के भजनों के बीच 108 रिद्धि मंत्रों के साथ भगवान आदिनाथ का महामस्तिकाभिषेक किया गया। इस पुण्य अवसर पर कपिल कुमार-मनोज कुमार मलैया (दमोह), अशोक कुमार-गौरव जैन (टींगू मिल), अनिल कुमार-जिनेश कुमार (रोकड़िया परिवार) सहित अनेक परिवारों को इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जगत कल्याण की भावना के साथ सांगानेर से पधारे विद्वान अमित शास्त्री ने महाशांतिधारा और भक्तामर महामंडल विधान संपन्न कराया।

भव्य चल समारोह और शोभायात्रा

दोपहर में आदिनाथ जिनालय से भव्य चल समारोह निकाला गया। बैंड-बाजों, ध्वज पताकाओं और 'दिव्य घोष' के साथ निकली इस शोभायात्रा में जैन युवा वर्ग और जागृति मंडल के युवा नृत्य करते हुए चल रहे थे। भगवान जिनेन्द्र को रजत विमान में विराजित कर भक्त कंधों पर लेकर चल रहे थे। यह यात्रा कीर्ति स्तंभ और मुख्य मार्ग होते हुए मेला स्थल पहुँची।

अहिंसा और अपरिग्रह ही समाधान: कलेक्टर

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कलेक्टर साकेत मालवीय ने कहा, आज जब दुनिया युद्ध की कगार पर खड़ी है, तब भगवान महावीर के अहिंसा और अपरिग्रह के सिद्धांत सबसे अधिक प्रासंगिक हैं। यदि विश्व इन सिद्धांतों को अपना ले, तो सभी समस्याएँ दूर हो सकती हैं। जैन संतों की कठिन तपस्या आज भी समाज को सही मार्ग और देश के विकास में योगदान की प्रेरणा दे रही है।

विशेष आयोजन और सम्मान

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि इस वर्ष 'दर्शन दिवस' का आयोजन होली मेला महोत्सव के रूप में किया गया है। विद्वान अमित शास्त्री ने तीर्थ वंदन की महिमा बताते हुए कहा कि मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज के अनुसार तीर्थ के गंधोदक की शक्ति कई गुना अधिक होती है। कार्यक्रम के दौरान थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल, महामंत्री मनोज भैसरवास और अन्य पदाधिकारियों ने तीर्थ क्षेत्र के विकास में सहयोग देने वाले दानदाताओं एवं सेवा दलों का प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया।

अमेरिका निवासी राकेश जैन का गौसेवा में सहयोग

विकलांग गौशाला पहुंचे, सेवा कार्य देखकर हुए प्रभावित, 1100 डॉलर के भूसे की घोषणा कर बढ़ाया गौसेवकों का उत्साह

अंबाह। (अजय जैन)

श्री छत्रपाली हनुमान जी विकलांग गौशाला, परेड अंबाह में लंबे समय से विकलांग, घायल और असहाय गौवंश की सेवा का कार्य निरंतर किया जा रहा है। समाजसेवियों और गौभक्तों के सहयोग से संचालित इस गौशाला में सड़क दुर्घटनाओं या बीमारी के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हो चुकी गायों की देखभाल की जाती है। होली पर्व के अवसर पर अपने पैतृक नगर अंबाह आए अमेरिका निवासी राकेश जैन ने गौशाला पहुंचकर यहां चल रही गौसेवा को नजदीक से देखा और इसकी सराहना की। जानकारी के अनुसार परेड चौराहे के निवासी राकेश जैन वर्तमान में अमेरिका में निवास करते हैं और होली मनाने के लिए अपने घर अंबाह आए हुए थे। इसी दौरान वे श्री छत्रपाली हनुमान जी विकलांग गौशाला पहुंचे और वहां मौजूद विकलांग तथा घायल गायों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने गौसेवकों से गौशाला की व्यवस्थाओं और सेवा कार्यों के बारे में भी जानकारी ली। गौसेवक गोविंद सिकरवार ने बताया कि इस गौशाला में उन गायों को लाकर रखा जाता है जो दुर्घटनाओं या अन्य कारणों से घायल अथवा विकलांग हो जाती हैं और सड़कों पर भटकने को मजबूर होती हैं। यहां उनका उपचार कराया जाता है तथा रहने और भोजन की व्यवस्था की जाती है। अनिल कुमार जैन खरगोला ने गौशाला की व्यवस्थाओं और आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन बड़ी मात्रा में चारा, भूसा और अन्य सामग्री की आवश्यकता होती है, जिसके लिए समाज के सहयोग की जरूरत रहती है। वहीं चमकन लाल ओझा ने भी गौशाला में चल रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी। गौसेवा कार्यों को देखकर राकेश जैन प्रभावित हुए और उन्होंने गौसेवा को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए सभी से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला के लिए सहयोग स्वरूप 1100 अमेरिकी डॉलर (लगभग एक लाख रुपये) के भूसे की व्यवस्था कराने की घोषणा की। गौशाला समिति के सदस्यों और गौसेवकों ने राकेश जैन के इस सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही ऐसे सेवा कार्य निरंतर संचालित हो पाते हैं।

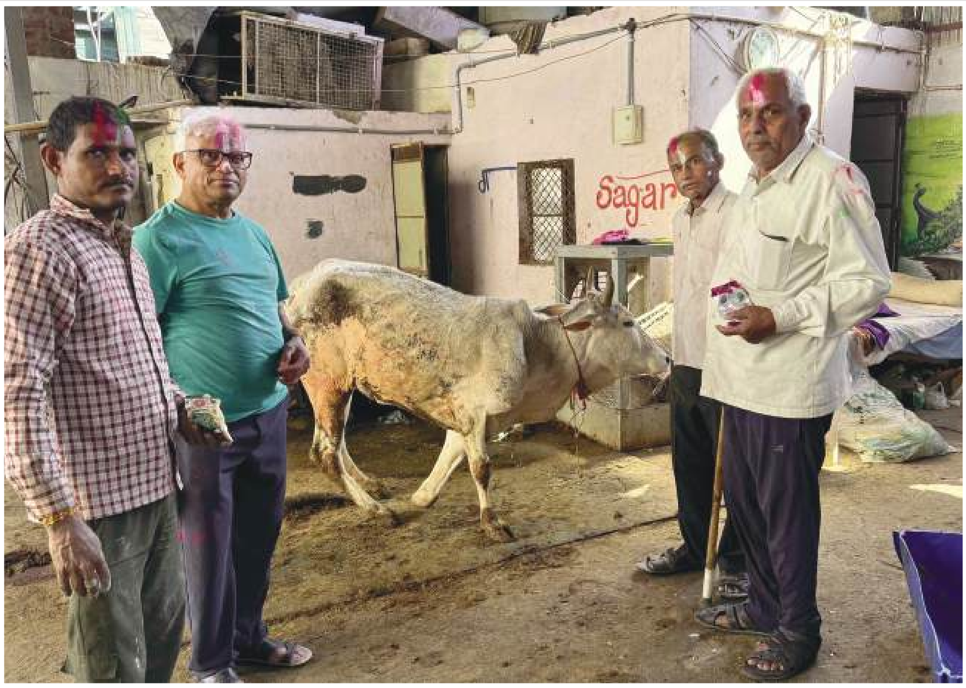

"आदर्श शिक्षा विधि" ग्रंथ बालक के समग्र विकास और संस्कार निर्माण के लिए मील का पत्थर: संगोष्ठी संपन्न

जयपुर में ऐतिहासिक समीक्षा संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रांत) और श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में महावीर स्कूल के सभागार में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज द्वारा रचित और आर्यिका रत्न 105 श्री वर्धस्व नंदिनी जी द्वारा संपादित युगप्रवर्तक ग्रंथ ''आदर्श शिक्षा विधि'' (आयंस सिक्खा वीही) की समीक्षा और शिक्षक सम्मान को समर्पित था।

शिक्षा को नैतिक दिशा प्रदान करेगा यह ग्रंथ

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि 342 पृष्ठों का यह महत्वपूर्ण ग्रंथ शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-जागरण और चरित्र-निर्माण के साधन के रूप में प्रतिष्ठित करता है। अतिथि वक्ता डॉ. यश जैन और राकेश जैन ने स्पष्ट किया कि जैन दर्शन के अहिंसा, सत्य और अनेकांत जैसे सिद्धांतों के आलोक में यह कृति वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को नैतिक दिशा प्रदान करने में सक्षम है।

प्राकृत गाथाओं में व्यावहारिक विश्लेषण

प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि यह ग्रंथ 20 अध्यायों में विभक्त है, जिसमें प्राकृत भाषा (शौरसेनी) की 126 गाथाएं संकलित हैं। इनमें शिक्षा के लक्षण, स्त्री शिक्षा, शारीरिक-मानसिक विकास, आदर्श शिक्षक-शिष्य संबंध और आध्यात्मिक शिक्षा का गहन दार्शनिक विश्लेषण किया गया है।

कुण्डलपुर से मिला आचार्य श्री का आशीर्वाद

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और प्राकृत मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर आचार्य वसुनंदी मुनिराज का कुंडलपुर विहार से प्राप्त आशीर्वाद संदेश (वीडियो) भी दिखाया गया। संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया और महेश काला ने आचार्य श्री का संदेश साझा करते हुए कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य बुद्धि-विकास के साथ-साथ आत्मा का उत्थान है।

प्रतिभाशाली शिक्षक हुए सम्मानित

महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष यू. एम. सांघी और मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि ग्रंथ पर आधारित लिखित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार: प्रज्ञा जैन एवं डॉ. भागचंद जैन (संयुक्त)

द्वितीय पुरस्कार: दिव्या जैन

तृतीय पुरस्कार: राज मोहन गुप्ता

पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की अपील

मुख्य अतिथि अनिल जैन सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने इस उपयोगी ग्रंथ को राष्ट्रीय और राज्य स्तर की पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की पुरजोर अपील की। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारी, साहित्य प्रेमी और बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन नरेश जैन और इन्द्रा बडजात्या ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान और प्राकृत जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ।

परिदृश्य

रिकॉर्ड वृद्धि बनाम गुणवत्ता की चुनौती

अधिवक्ता किशन सनमुखदास भावनानी

वर्तमान डिजिटल और कृत्रिम मेधा के युग में जहां एक ओर आंकड़ा विश्लेषण, शृंखला अनुरेखण और चतुर आपूर्ति शृंखला जैसी तकनीकें विकसित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट का संकट भी समानांतर रूप से बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह विरोधाभास विशेष रूप से भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में अधिक स्पष्ट है। त्योहारों के समय, विशेषकर होली से ही मिठाइयां, घी, खोआ और दूध की मांग कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा राज्यों को सख्त निगरानी के निर्देश जारी करना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

दुग्ध निगरानी रिपोर्ट 2025-26 के चौंकाने वाले निष्कर्ष

हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 33 से 38 प्रतिशत दूध के नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें पानी, अपमार्जक (डिटर्जेंट), यूरिया, और अन्य रासायनिक तत्वों की मिलावट पाई गई। कुछ पैकेटबंद दूध में हानिकारक जीवाणु और 'कुल सूक्ष्मजीव गणना' स्वीकार्य सीमा से कई गुना अधिक दर्ज की गई। यह केवल गुणवत्ता का प्रश्न नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष खतरा है। रिपोर्ट में क्षेत्रीय असमानता भी देखी गई है। उत्तर भारत सबसे अधिक प्रभावित है, जहाँ 47% नमूने मानकों में विफल पाए गए। इसके विपरीत, पश्चिम भारत में यह आंकड़ा 23%, दक्षिण में 18% और पूर्वी भारत में 13% रहा। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े उत्पादक राज्यों में मिलावट की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत का कुल दूध उत्पादन 24.8 करोड़ टन तक पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 69.4% की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति उपलब्धता 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है, जो वैश्विक औसत (328 ग्राम) से कहीं अधिक है।

संपादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग और परमाणु विनाश का संकट

डॉ. प्रियंका सौरभ

विज्ञान की प्रगति ने जहां चिकित्सा, कृषि और संचार के क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खोले हैं, वहीं युद्ध उपकरणों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के प्रवेश ने विनाश की संभावनाओं को भी अकल्पनीय रूप से बढ़ा दिया है। वर्तमान में वैश्विक राजनीति और युद्ध का दायरा इस कदर विस्तार पा चुका है कि अब परमाणु हमले की आशंका पहले से कहीं अधिक प्रबल हो गई है। हालिया वैश्विक तनावों, जैसे अमेरिका और ईरान के मध्य उपजी स्थितियों ने न केवल संबंधित देशों को बल्कि पूरी दुनिया को चिंता के सागर में डुबो दिया है। विश्वभर के देश अपनी समृद्धि और शक्ति को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा में जुटे हैं। इस होड़ का सबसे काला पक्ष अस्त्र-शस्त्रों का बढ़ता भंडारण है। विडंबना यह है कि जो देश अपनी सुरक्षा के लिए घातक हथियारों के ढेर लगा रहे हैं, वही 'विश्व शांति' के लिए निरस्त्रीकरण का राग भी अलाप रहे हैं। युद्ध की इस आक्रामक नीति ने न केवल निर्दोष नागरिकों की जान ली है, बल्कि देशों की वर्षों की समृद्धि और निर्माण कार्यों को भी पल भर में मटियामेट कर दिया है। विकास, जो सुख-शांति के लिए होना चाहिए था, वह अब विनाश का पर्याय बनता जा रहा है। परमाणु युद्ध के परिणामों से इतिहास भली-भांति परिचित है। लगभग 81 वर्ष पूर्व, 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए हमलों ने मानवता को वह घाव दिया जो आज भी हरा है। डेढ़ लाख से अधिक लोगों की तत्काल मृत्यु और पीढ़ियों तक चलने वाली अपंगता यह सिद्ध करती है कि परमाणु विकिरण (रेडिएशन) का खतरा 100 वर्षों से भी अधिक समय तक बना रहता है। आज भी वहाँ जन्म लेने वाले बच्चे इस विभीषिका के शिकार होते हैं। यह मासूम लोगों के प्रति सबसे बड़ा अपराध है। इंसान जब आवेश, ईर्ष्या, और बदले की भावना से वशीभूत होकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो उसे सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता। यही द्वेषभाव देशों के बीच दुश्मनी को जन्म देता है, जो अंततः विश्व शांति को भंग करता है। ऐसी विषम स्थिति में भगवान बुद्ध द्वारा दिया गया 'अहिंसा परमो धर्म' का संदेश और आचार्य तुलसी का 'मानवता आंदोलन' आज अत्यंत प्रासंगिक हो गए हैं। शांति का शंखनाद केवल नारों से नहीं, बल्कि इस दृढ़ संकल्प से होगा कि ''मैं आक्रमणकारी नहीं बनूँगा और न ही हिंसा का सहयोगी बनूंगा।'' जब कोई देश किसी दूसरे पर आक्रमण करता है, तो अन्य देशों का उसमें भागीदार बनना या किसी एक पक्ष को मदद देना विनाश की संभावना को और बढ़ा देता है। खाड़ी देशों या अन्य क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का असर उन देशों के निर्दोष नागरिकों और प्रवासियों पर भी पड़ता है जिनका उस युद्ध से कोई सीधा सरोकार नहीं होता। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां परमाणु निरस्त्रीकरण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानवता को बचाने की महत्ती आवश्यकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

धर्म-कर्म

लंका दहन

मेघनाद ने हनुमानजी को नागपाश में बांधकर रावण की सभा में प्रस्तुत किया। हनुमानजी ने देखा कि राक्षसों का राजा रावण एक अत्यंत ऊंचे स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान है। उसके दस मुख और बीस भुजाएं थीं और वर्ण सघन काला था। उसके चारों ओर बलशाली योद्धा और चतुर मंत्री बैठे थे। रावण का यह वैभव और प्रताप देखकर भी हनुमानजी तनिक भी विचलित नहीं हुए; वे वहां वैसे ही निडर होकर खड़े रहे, जैसे सर्पों के बीच गरुड़ खड़े होते हैं। हनुमानजी की निर्भयता देख रावण ने क्रोध में पूछा, ''रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने अशोक वाटिका को नष्ट किया और मेरे राक्षसों का वध किया? क्या तुझे मृत्यु का भय नहीं है? तेरी उद्दंडता का कारण क्या है?'' हनुमानजी ने शांत परंतु दृढ़ स्वर में उत्तर दिया, ''जो इस संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी हैं, मैं उन्हीं भगवान श्रीरामचंद्रजी का दूत हूँ। तुम छल से उनकी पत्नी का हरण कर लाए हो; उन्हें सम्मानपूर्वक वापस कर दो, इसी में तुम्हारा और तुम्हारे कुल का कल्याण है। जहाँ तक वाटिका उजाड़ने की बात है, तो मुझे तीव्र क्षुधा (भूख) लगी थी, इसलिए फल खाए। वानर स्वभाव के कारण कुछ वृक्ष टूट गए और अपनी रक्षा के लिए मैंने उन राक्षसों को मारा जिन्होंने मुझ पर प्रहार किया था। इसमें मेरा कोई दोष नहीं है।'' हनुमानजी की स्पष्टवादिता सुनकर रावण आगबबूला हो गया और उनके वध का आदेश दे दिया। तब विभीषण ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, ''नीति के अनुसार दूत का वध अनुचित है। इसे कोई अन्य दंड देना ही श्रेयस्कर होगा।'' रावण को विभीषण की सलाह उचित लगी। उसने अट्टहास करते हुए कहा, वानरों को अपनी पूंछ से बहुत मोह होता है। इसकी पूंछ में कपड़ा लपेटकर और तेल डालकर आग लगा दो। जब यह बिना पूंछ के अपने स्वामी के पास जाएगा, तब लज्जित होकर उन्हें यहाँ लाएगा। राक्षस हनुमानजी की

पूंछ पर तेल से भीगे कपड़े लपेटने लगे। तभी हनुमानजी ने अपनी लीला दिखाई और पूंछ को बढ़ाना प्रारंभ कर दिया। स्थिति यह हो गई कि पूरी लंका का घी, तेल और कपड़ा समाप्त हो गया, किंतु पूंछ बढ़ती ही गई। अंततः राक्षसों ने आग लगा दी। पूंछ में आग लगते ही हनुमानजी लघु रूप धारण कर बंधनों से मुक्त हो गए और एक ऊंची अटारी पर जा पहुंचे। वहां से उन्होंने लंका के एक भवन से दूसरे भवन पर कूदकर अग्नि का प्रसार करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते पूरी स्वर्ण लंका विकराल लपटों में घिर गई। पवन देव भी अपने पुत्र की सहायता के लिए तीव्र गति से बहने लगे, जिससे अग्नि और प्रचंड हो गई।

विभीषण का सुरक्षित भवन

पूरी लंका जलकर राख हो रही थी, राक्षस त्राहि-त्राहि कर रावण को कोसने लगे। किंतु इस भीषण अग्नि के बीच हनुमानजी ने केवल विभीषण का घर छोड़ दिया। विभीषण भगवान के भक्त थे और उनके घर के बाहर 'हरि' नाम अंकित था, इसलिए हनुमानजी ने उस घर को आंच तक नहीं आने दी। अंत में हनुमानजी ने समुद्र में अपनी पूंछ की अग्नि बुझाई और माता सीता से आज्ञा लेकर वापस लौट गए।

'हमारा परिवार' मुंबई इकाई ने फूलों और चंदन के साथ मनाया हर्षोल्लास से होली महोत्सव

मुंबई. शाबाश इंडिया

'हमारा परिवार' मुंबई इकाई द्वारा स्थानीय दादी सेठ अग्यारी लेन स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के सभागार में होली महोत्सव के उपलक्ष्य में 'धुलिवंदन (धुलेटी) पर्व' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। फूलों और चंदन की महक के बीच आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में 'हमारा परिवार' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र भाईसाहब विशेष रूप से दिल्ली से पधारकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र भाईसाहब के साथ मासमा अध्यक्ष चंदन भंसाली, हीरालाल मेहता, सुरेश लोढ़ा, ज्योति शर्मा, मंगलचंद सेठ और मुंबई इकाई प्रमुख सूर्या जैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन मंगलचंद सेठ ने अपने चिर-परिचित शायराना अंदाज में किया।

राष्ट्रभक्ति और ज्ञानवर्धक खेल

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. सुरेंद्र भाईसाहब ने होली के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी को 'हमारा परिवार' की विचारधारा से जुड़ने का आह्वान किया। उत्सव के दौरान उपस्थित सदस्यों के 'राम दल' और 'श्याम दल' बनाए गए, जिनके बीच ज्ञानवर्धक खेलों के माध्यम से राष्ट्र शक्ति और देशभक्ति का पाठ सिखाया गया।

फूलों की वर्षा और मेल-मिलाप

होली के विशेष गीतों के बीच सभी सदस्यों ने एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा की और चंदन का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं। भाइयों ने भाइयों से और बहनों ने बहनों से गले मिलकर आपसी सौहार्द का परिचय दिया। सभी ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर उत्सव की खुशियां बांटीं। अंत में सभी सदस्यों का सामूहिक छायाचित्र (ग्रुप फोटो) लिया गया, जो इस आयोजन की सुखद स्मृति बन गया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस अवसर पर अतुल बुबना, हरियाणा (जींद) के पूर्व मेयर सुनील शर्मा, नीरज शर्मा, लंदन से पधारीं जूही शर्मा, बाबूलाल बोहरा, मुकेश बोकड़िया, नरेश जैन, नारायण सिंह राव, रतन कोठारी और शिल्पा जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आभार प्रदर्शन

कार्यक्रम के आयोजक सूर्या जैन ने अल्प सूचना पर भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी संस्था को इसी प्रकार का सहयोग और स्नेह मिलता रहेगा।

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने मनाई रंगों भरी होली

कोटा. शाबाश इंडिया

श्रीनाथपुरम स्टेडियम में कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा होली के पावन अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में हुआ, जिसमें ताइक्वांडो खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। स्टेडियम परिसर रंगों और खुशियों से सराबोर नजर आया। बच्चों ने गीत-संगीत और नृत्य के साथ जमकर आनंद लिया तथा आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। खिलाड़ियों का उत्साह और उमंग देखते ही बन रहा था, वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों के साथ इस आयोजन का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि होली प्रेम, एकता और सौहार्द का प्रतीक पर्व है। इसी भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसोसिएशन द्वारा खिलाड़ियों और बच्चों के लिए विशेष होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि सभी खिलाड़ियों ने सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल गुलाल से होली खेलते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में रिदम, राजकुमार, आयशानी सक्सेना, भव्य, पूर्णिमा, रूपल, हिना राठौर सहित अनेक खिलाड़ी और अभिभावक उपस्थित रहे। आयोजन का समापन आपसी शुभकामनाओं तथा मिठाई वितरण के साथ हुआ।

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन
अध्यक्षः अनिल कुमार
मो. 9829164423

नव तत्त्व जीवन में उतर जाएं तो मनुष्य बन सकता है महान : प्रवर्तक सुकन मुनि

भीलवाड़ा के शांति भवन में विशाल धर्मसभा संपन्न, जैन दर्शन के मूल सिद्धांतों पर हुआ विवेचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। वस्त्रनगरी के शांति भवन में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्रमणसंघीय प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने जैन दर्शन के 'नव तत्त्व' का विस्तार से विवेचन किया। उन्होंने कहा कि ये नौ तत्त्व केवल दार्शनिक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले आध्यात्मिक सूत्र हैं। यदि मनुष्य इन्हें आचरण में उतार ले, तो उसका जीवन महानता की ओर अग्रसर हो सकता है।

आत्मकल्याण के नौ सूत्र

मुनि श्री ने जीव, अजीव, आस्त्रव, बंध, संवर, निर्जरा, मोक्ष, पुण्य और पाप की व्याख्या करते हुए बताया कि इनका यथार्थ ज्ञान ही व्यक्ति को वास्तविक उद्देश्य की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब मनुष्य संयम और विवेक अपनाता है, तो कर्मों का प्रवाह रुकता है (संवर) और पूर्व कर्मों का क्षय (निर्जरा) होता है। अंततः समस्त बंधनों से मुक्ति ही 'मोक्ष' की परम अवस्था है। उन्होंने विशेष रूप से भावों की पवित्रता और आचरण की शुद्धता पर बल दिया। इस अवसर पर मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि ने कहा कि संतों के वचन सदैव कल्याणकारी होते हैं। कभी-कभी कठोर प्रतीत होने वाले शब्द भी कटुता नहीं, बल्कि आत्मजागरण का संदेश होते हैं। बालयोगी अखिलेश मुनि ने धर्म को समता और आत्मानुशासन का मार्ग बताते हुए नैतिकता व करुणा को जीवन का आधार बताया। धर्मसभा में युवाप्रणेता महेश मुनि, महासती वसुधा एवं साध्वी वारिधी की भी पावन उपस्थिति रही। शांति भवन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़ ने बताया कि धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में संरक्षक नवरतनमल बंब, कंवरलाल सूरिया, सुशील चपलोत, हेमंत आंचलिया, दिनेश बंब सहित महिला मंडल की चंदा कोठारी, पुष्पा गौखरू व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। **प्रवक्ताः सुनील चपलोत, शांति भवन, भीलवाड़ा**

द लॉफ्टर लॉन्ज ग्रुप ने हर्षोल्लास के साथ मनाया होली महोत्सव

गीत-संगीत और हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों से सजी महफिल, फूलों की होली ने बिखेरी खुशबू

जबलपुर. शाबाश इंडिया

रंगों का पावन पर्व होली 'द लॉफ्टर लॉन्ज ग्रुप' द्वारा बीती रात बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। होटल सत्या अशोका के सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में शहर के प्रबुद्धजन, ग्रुप के सदस्य एवं आमंत्रित अतिथि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

फूलों की होली और पारंपरिक मिलन

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक होली मिलन से हुआ, जहाँ सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। उत्सव का मुख्य आकर्षण 'फूलों की होली' रही, जिसने पूरे वातावरण को सुगंधित और आनंदमय बना दिया। आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द की भावना इस आयोजन के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

गीत-संगीत और नृत्य की धूम

समारोह में संगीत की महफिल ने समां बांध दिया। ग्रुप के सदस्यों ने होली के पारंपरिक और फिल्मी गीतों पर शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। विशेष रूप से नितिन जैन और अभिषेक चौकसे के एकल गीतों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने मधुर धुनों पर थिरकते हुए अपनी ऊर्जा और उत्साह का परिचय दिया।

हास्य-व्यंग्य का तड़का

चूँकि यह 'लॉफ्टर लॉन्ज' का आयोजन था, इसलिए हास्य का पुट होना अनिवार्य था। शेखर शिवहरे, अपूर्व सिंघई और सुकेश चोरडिया की हास्य-व्यंग्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम को जीवंत बनाने में प्रियेश अग्रवाल, अभिषेक ओसवाल और निखिल अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

सामाजिक एकता का संदेश

ग्रुप संयोजक नितिन जैन ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस उत्सव का लक्ष्य केवल आनंद मनाना ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प दोहराया। समारोह का समापन सामूहिक सुरुचिपूर्ण भोज के साथ हुआ, जहाँ सभी ने एक-दूसरे के साथ सुखद स्मृतियाँ साझा कीं।

पारिवारिक जीवन में धैर्य की भूमिका

परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि भावनाओं, विश्वास और समझ का संगम होता है। प्रत्येक परिवार में विचारों, स्वभाव और अपेक्षाओं की विविधता होती है। ऐसे में यदि कोई एक गुण परिवार को अटूट बनाए रखता है, तो वह है–धैर्य। धैर्य ही वह आधारशिला है, जिस पर सुखी और संतुलित पारिवारिक जीवन का निर्माण होता है।

मतभेदों में संतुलन

परिवार में पीढ़ियों का अंतर होना स्वाभाविक है। बुजुर्गों के अनुभव, युवाओं के नए विचार और बच्चों की जिज्ञासाओं के बीच कभी-कभी वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो जाते हैं। यदि इन स्थितियों में अधैर्य या जल्दबाजी दिखाई जाए, तो छोटी-सी बात भी बड़े विवाद का रूप ले सकती है। इसके विपरीत, दूसरे पक्ष को धैर्यपूर्वक सुनना और समझना समस्या के समाधान को सहज बना देता है।

रिश्तों की प्रगाढ़ता

धैर्य रिश्तों में मधुरता घोलता है। पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों के संबंधों में अक्सर भावनात्मक उतार-चढ़ाव आते हैं। ऐसे समय में तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत रहकर स्थिति का विश्लेषण करना रिश्तों को टूटने से बचाता है। धैर्य हमें सिखाता है कि हर समस्या का समाधान समय और समझदारी में निहित है।

संस्कार निर्माण का आधार

बच्चे अपने माता-पिता के आचरण से ही जीवन के मूल्य सीखते हैं। यदि वे घर में धैर्य, शांति और सहनशीलता का वातावरण देखते हैं, तो यही गुण उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन जाते हैं। माता-पिता का धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन बच्चों में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संचार करता है।

संकट में संबल

जीवन में आर्थिक, शारीरिक या अन्य आकस्मिक संकट आ सकते हैं। ऐसे कठिन समय में परिवार का धैर्य ही उसे बिखरने से बचाता है। विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय संयम बनाए रखना और एक-दूसरे का संबल बनना परिवार को और अधिक शक्ति प्रदान करता है।

शालीमार एनक्लेव, कमला नगर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का भव्य समापन, होली उत्सव भी मनाया गया

आगरा. शाबाश इंडिया

कमला नगर स्थित शालीमार एनक्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विधान पुण्यार्जक पारस जैन कंसल एवं मधु जैन कंसल के संयोजन में आयोजित श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का बुधवार को भक्तिमय वातावरण में भव्य समापन हुआ। 23 फरवरी से 4 मार्च तक चले इस पावन धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक साधना का लाभ प्राप्त किया। समापन दिवस पर प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक श्रीजी का पूजन, विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ की मांगलिक क्रियाएं विधि-विधान के साथ संपन्न कराई गईं। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों के माध्यम से विश्व शांति, सद्भाव और मंगलमय जीवन की कामना की। विधान के दौरान ब्रह्मचारी आशीष भैया के सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। भक्ति-संगीत और स्तुति-गायन से पूरे मंदिर परिसर का वातावरण अत्यंत भक्तिमय हो गया। समापन अवसर पर आयोजन समिति द्वारा विधान में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने होली उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को चंदन लगाकर शुभकामनाएं दीं और धार्मिक मर्यादाओं के साथ रंगोत्सव की आनंदमयी शुरूआत की। यह आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, व्यवस्थापन समिति एवं शालीमार जैन मंदिर परिवार के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजकुमार गुड्डू, राजू गोधा, संजू गोधा, संभव जैन कंसल, रूपचंद जैन, शैलेंद्र जैन, मुकेश जैन रपरिया, विनीत जैन, अभिषेक जैन, अजीत जैन, हर्ष जैन, गौरव जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, मिथलेश जैन, अनुमूर्ति जैन, अनामिका जैन सहित जैन समाज के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। **रिपोर्ट:शुभम जैन**

भारत के दिगंबर जैन तीर्थों पर प्रामाणिक ग्रंथों के प्रकाशन की कार्ययोजना पर मंथन

शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष के अंतर्गत बीटीआईआरटी सागर में हुई महत्वपूर्ण बैठक

सागर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में ''भारत के दिगंबर जैन तीर्थ'' विषय पर बहुखंडीय ग्रंथों के प्रकाशन की योजना को मूर्त रूप देने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बाबूलाल ताराबाई शोध एवं तकनीकी संस्थान (बीटीआईआरटी), सागर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. अनुपम जैन ने की।

तीर्थों का ऐतिहासिक एवं प्रामाणिक दस्तावेजीकरण

बैठक में शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष के संयोजक जवाहर जैन (सिकंदराबाद) ने वर्ष भर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कमेटी के अध्यक्ष जम्बूप्रसाद जैन (गाजियाबाद) की अध्यक्षता में लिए गए निर्णय अनुसार दिगंबर जैन तीर्थों के विस्तृत और प्रामाणिक परिचय को विभिन्न खंडों में प्रकाशित किया जाएगा। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अनुपम जैन (इंदौर) ने कहा कि भारतवर्ष में स्थित निर्वाण क्षेत्र, कल्याणक क्षेत्र एवं प्रमुख अतिशय क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण कर ऐतिहासिक दृष्टि से प्रामाणिक ग्रंथों का प्रकाशन प्रस्तावित है।

प्रामाणिकता और नवीन संदर्भ

कमेटी के राष्ट्रीय मंत्री हंसमुख गांधी (इंदौर) ने बताया कि लगभग 50 वर्ष पूर्व श्री बलभद्र जैन द्वारा तीर्थों के परिचय के पाँच खंड प्रकाशित किए गए थे, किंतु समय के साथ अनेक परिवर्तन हो चुके हैं। अतः वर्तमान संदर्भों के अनुरूप नवीन प्रकाशन अत्यंत आवश्यक है।

अंचलवार दायित्व और लेखक मंडल: तीर्थों के संपूर्ण विवरण हेतु लेखकगण संबंधित तीर्थों पर प्रत्यक्ष भ्रमण करेंगे। इसके लिए अंचलवार दायित्व सौंपे गए हैं:

राजस्थान प्रांत: डॉ. नरेंद्र कुमार जैन (टीकमगढ़)

उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड: डॉ. सुनील जैन संचय (ललितपुर)

मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़: राजेन्द्र महावीर (सनावद)

झारखंड, बिहार, ओड़िशा, बंगाल, असम: प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार जैन (भगवा)

आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु: विजय जैन बाबा जी

समन्वय एवं सम्मान

इस संपूर्ण कार्ययोजना का मुख्य कार्यालय बीटीआईआरटी, सागर को बनाया गया है। इसके लिए संतोष जैन घड़ी (कार्याध्यक्ष, मध्यांचल) को समन्वयक मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन घड़ी, निदेशक डॉ. सतेन्द्र जैन, श्रेयांस जैन एवं मनोज बंगेला सहित अन्य सहयोगियों ने सभी अतिथियों का स्मृति-चिह्न, माला और दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया। साथ ही, श्रेष्ठी संतोष जैन घड़ी को सफल पंचकल्याणक महोत्सव के पुण्यार्जन हेतु विशेष सम्मान प्रदान किया गया। बैठक का संचालन डॉ. सुनील जैन संचय ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रचार मंत्री श्रीमती मीनू जैन (गाजियाबाद) द्वारा किया गया।

''रद्दी के भाव नहीं, भविष्य के नाम करें किताबें''

बकानी में 'हमारा बुक बैंक डिपो अभियान' की अनूठी पहल

बकानी (दैनिक शाबाश इंडिया): जहाँ एक ओर शैक्षणिक सत्र समाप्त होते ही हजारों रुपये की पुस्तकें रद्दी के भाव तौल दी जाती हैं, वहीं बकानी क्षेत्र में संचालित ''हमारा बुक बैंक डिपो अभियान'' इन किताबों के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का संकल्प लिए आगे बढ़ रहा है। यह अभियान अब केवल एक पहल नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रसार का एक सशक्त सामाजिक आंदोलन बन चुका है।

शिक्षा की राह में बना वरदान

बीते वर्ष इस अभियान को विभिन्न सामाजिक मंचों पर सम्मानित किया गया। अभियान के माध्यम से उन सैकड़ों विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध करवाई गईं, जिनके परिवारों के लिए नई किताबें खरीदना आर्थिक रूप से कठिन था। अक्सर अभिभावक सत्र के अंत में मेहनत की कमाई से खरीदी गई पुस्तकें नाममात्र की राशि के लिए रद्दी में बेच देते हैं, जबकि वही पुस्तकें किसी अन्य विद्यार्थी के लिए पूरे साल की पढ़ाई का आधार बन सकती हैं।

संयोजकों की मार्मिक अपील

अभियान के संयोजकों ने समाज से अपील करते हुए कहा है– आपकी अलमारी में रखी पुरानी किताबें किसी के सपनों की चाबी बन सकती हैं। उन्हें रद्दी में न बेचें, बल्कि किसी विद्यार्थी के हाथों में सौंप दें। यदि किसी अभिभावक को सीधे तौर पर कोई जरूरतमंद विद्यार्थी नहीं मिलता, तो वे इन पुस्तकों को 'हमारा बुक बैंक डिपो अभियान' को दानस्वरूप भेंट कर सकते हैं।

निस्वार्थ सेवा का संकल्प: यह अभियान सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक पुस्तक सही और पात्र छात्र तक पहुँचे। विशेष बात यह है कि इस अभियान के संचालन में संचालक का कोई निजी हित नहीं जुड़ा है; यह पूर्णतः निस्वार्थ शिक्षा सेवा है। समाज के जागरूक नागरिकों से अपेक्षा है कि वे इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

सहयोग एवं जानकारी हेतु संपर्क करें: 7877794666

''किताबें तौलने की नहीं, संजोने की चीज हैं, आइए, रद्दी नहीं, रिश्ते और भविष्य बनाएं।''

विधिवत संघ कार्यालय का शुभारंभ

गूंजे महावीर स्वामी के जयकारे; गणेश जी को दिया प्रथम निमंत्रण

ब्यावर. शाबाश इंडिया। अहिंसा के अवतार जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारियां सकल जैन समाज द्वारा पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रारंभ हो गई हैं। महोत्सव संयोजक समाजसेवी विमल शाह के कुशल एवं प्रभावी नेतृत्व में इस बार महोत्सव को विशेष रूप से भव्य रूप में मनाने की तैयारियां एक माह पूर्व से ही विधिवत शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए समाज के समर्पित सदस्य सक्रिय रूप से जुट गए हैं और पूरे समाज में उत्साह का वातावरण दिखाई दे रहा है। महोत्सव के मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष डोसी ने बताया कि बुधवार सुबह 10:15 बजे पाली बाजार स्थित श्री शांतिनाथ जैन मंदिर में सकल जैन समाज के प्रतिष्ठित श्रावक-श्राविकाएं बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। यहां मूलनायक श्री शांतिनाथ भगवान, भगवान महावीर स्वामी सहित अन्य देवों के समक्ष महोत्सव की पत्रिका अर्पित कर कार्यक्रम की सफलता के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इसके पश्चात समाज के वरिष्ठजनों के साथ सूरजपोल गेट स्थित श्री प्रसन्न गणपति मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश को प्रथम निमंत्रण श्रद्धा और भक्ति भाव से अर्पित किया गया। इसी क्रम में महावीर बाजार में महोत्सव संचालन के लिए संघ कार्यालय का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप से वातावरण भक्तिमय हो गया और पूरा क्षेत्र भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यालय शुभारंभ के बाद महोत्सव संयोजक विमल शाह के नेतृत्व में एक दल ने घर-घर एवं प्रतिष्ठानों पर जाकर महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा जन्म कल्याणक के दिन आयोजित स्नेह भोज के लिए सहयोग राशि संग्रह अभियान भी प्रारंभ किया। समाज के सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

कोलकाता : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्री मल्लिनाथ प्रतिमा की भव्य वेदी प्रतिष्ठा संपन्न

कोलकाता/हावड़ा. शाबाश इंडिया

हावड़ा के डबसन रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आज भक्ति और उत्साह के साथ नूतन 1008 श्री मल्लिनाथ भगवान की प्रतिमा स्थापना एवं महामंडल विधान का आयोजन किया गया। इस प्रतिमा की प्रतिष्ठा वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुई। प्रातः काल गाजे-बाजे के साथ भगवान की भव्य पालकी यात्रा (प्रभात फेरी) निकाली गई। भक्तों के भारी हुजूम के साथ यह यात्रा अवनी दत्ता रोड, गोलाबारी थाना और हरदत्त राय चमड़िया रोड होते हुए पुनः मंदिर जी पहुँची। पूरा मार्ग 'भगवान मल्लिनाथ के जयकारों' से गुंजायमान रहा।

धार्मिक अनुष्ठान एवं वेदी विराजमान

मंदिर पहुँचने के पश्चात प्रतिष्ठाचार्य आनंद प्रकाश जी जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके उपरांत विधिवत मंत्रोच्चार के साथ श्रीजी को वेदी में विराजमान किया गया। पूजन के क्रम में आचार्य 108 श्री विशद सागर जी महाराज द्वारा रचित 'मल्लिनाथ विधान' का आयोजन अत्यंत धूमधाम से किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्य से अर्घ्य समर्पित कर सातिशय पुण्य अर्जित किया। इस मांगलिक अवसर पर समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से मिलाप जी गंगवाल, सुशील पांड्या, सुरेश गंगवाल, भागचंद बड़जात्या, शैलेश गंगवाल, विनीत जैन, विनोद गंगवाल, अविनाश लुहाड़िया और सुनील सबलावत शामिल थे। साथ ही नितेश जैन, प्रकाश जी पहाड़िया, नागर जी बड़जात्या और महिला मंडल से कनक पांड्या, शांति गंगवाल, मंजु पांड्या, उर्मिला गंगवाल, सारिका छाबड़ा, मेघा बड़जात्या, संगीता सबलावत, पुष्पा काशलीवाल एवं कविता सबलावत सहित बड़ी संख्या में साधर्मी बंधुओं ने सपरिवार सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया। विधान के पश्चात 'अरिहंत निवास' (12 नंबर हरदत्त राय चमड़िया रोड) में सभी भक्तों के लिए अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

नंदीश्वर द्वीप मंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ भव्य समापन

सैकड़ों इंद्र-इंद्राणियों ने हवन कुंड में दी आहुतियां, निवाई में भक्ति और उत्साह का रहा संगम

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में संत निवास नसियां जैन मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय नंदीश्वर द्वीप मंडल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न हुआ। आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोधमति माताजी संघ के पावन सानिध्य में आयोजित इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

भक्तिमय शुभारंभ और शांतिधारा

विधान के अंतिम दिन का शुभारंभ दिनेश चंवरिया, सुरेश माधोराजपुरा, महेंद्र चंवरिया, सुरेश सांवलिया, सोनू जैन और पारसमल चेनपुरा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात विधानाचार्य पंडित सुरेश कुमार शास्त्री एवं अशोक भाणजा के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक किया गया। विश्व में सुख-समृद्धि की कामना हेतु सामूहिक शांतिधारा संपन्न हुई।

52 जिनालयों की पूजा और अर्घ्य समर्पण

जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि विधान में सौधर्म इंद्र सहित सभी इंद्र-इंद्राणियों ने संगीत की मधुर लहरियों के बीच नंदीश्वर द्वीप की 52 पूजाएं भक्ति भाव से कीं। श्रद्धालुओं ने मंडल पर श्रीफल और अर्घ्य समर्पित कर पुण्य अर्जन किया। समापन के अवसर पर आयोजित विश्व शांति महायज्ञ में सैकड़ों इन्द्र-इन्द्राणियों ने मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंडों में आहुतियां दीं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और महाआरती

कार्यक्रम के दौरान गायक विमल जौंला के भजनों पर शैलेंद्र पाटनी, महेंद्र चंवरिया, दिनेश चंवरिया, राकेश संधी, राजेन्द्र सेदरिया और पदमचंद पीपलू सहित कई श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण नृत्य किया। कार्यक्रम के अंत में मंडल विधान की महाआरती की गई। साथ ही आचार्य धर्म सागर महाराज, आचार्य श्रुत सागर महाराज और आर्यिका संघ की संगीतमय पूजा-अर्चना की गई।

प्रमुख उपस्थिति

इस मांगलिक अवसर पर नेमीचंद सिरस, विमल पाटनी, अतुल ठोलिया, धनराज चंवरिया, ममता चंवरिया, शंभु कठमाणा, महावीर प्रसाद छाबड़ा और त्रिलोक रजवास सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी द्वारा

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 8 मार्च 2026
प्रातः 9 से 12 बजे तक

स्थान : संयम भवन
दिगम्बर जैन मन्दिर, जनकपुरी, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर
अध्यक्ष : शकुन्तला-महावीर प्रसाद बिंदायका
सचिव : सुनिता-रमेश गंगवाल
कोषाध्यक्ष : उर्मिला-राकेश जैन

प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति, दि.जैन मन्दिर जनकपुरी
अध्यक्ष : बुद्धिप्रकाश छाबड़ा, मंत्री : देवेन्द्र कासलीवाल
जैन युवा मंच : अध्यक्ष : अमित शाह
महिला मण्डल : अध्यक्ष : अनीता बिंदायका

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल रॉवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

दीप प्रज्जवलन कर्ता :
श्रीमान् महेश जी - श्रीमती नीना जी काला
श्रीमती प्रेमलता जैन

विशेष सहयोग कर्ता :
श्रीमान् पद्म जी श्रीमती पुष्पा बिलाला

संयोजक : अर्चना जैन, मधु पाण्ड्या, शीला जैन, पुष्पा जी बिलाला
अंजना शास्त्री, अनिता जैन, बीना शाह, बबीता जैन
अलका जैन, सरोज जैन, चित्रा जैन, स्नेहलता जैन

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ का भव्य होली महोत्सव 2026 संपन्न

जयपुर री ढाणी में उमड़ा रोटरी परिवार, 'मूर्खाधिपति' प्रतियोगिता रही मुख्य आकर्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा 'जयपुर री ढाणी' में आयोजित होली महोत्सव 2026 अत्यंत भव्य, ऐतिहासिक और यादगार रहा। इस उत्सव में 300 से अधिक रोटरी सदस्यों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो क्लब के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक उपस्थिति रही।

फूलों की होली और सांस्कृतिक उल्लास

कार्यक्रम में रंगों और फूलों की होली के साथ-साथ संगीत, नृत्य और विविध मनोरंजक गतिविधियों ने समां बांध दिया। उत्सव का विशेष आकर्षण ह्लकौन बनेगा मूर्खाधिपतिह्व प्रतियोगिता रही, जिसमें सदस्यों ने हास्य-व्यंग्य और ठिठोली के साथ आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान सौहार्दपूर्ण और पारिवारिक वातावरण देखने को मिला।

एकता और विश्वास का प्रतीक

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अनिल जैन ने सभी समन्वयकों, रोटरी सदस्यों और उनके परिजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति रोटरी परिवार की अटूट एकता, विश्वास और आपसी प्रेम का परिचायक है। उन्होंने आयोजन की सफलता का श्रेय सभी समन्वयकों की उत्कृष्ट योजना और समर्पित टीमवर्क को दिया।

राजस्थानी आतिथ्य और मस्ती

समारोह के दौरान पारंपरिक राजस्थानी आतिथ्य, नृत्य और रंगों की मस्ती ने सभी को सराबोर कर दिया। उपस्थित सदस्यों ने इस आयोजन को क्लब का अब तक का सबसे शानदार होली समारोह बताया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के माध्यम से भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देता रहेगा।

अध्यक्षः
अनिल जैन
रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
प्रायोजक समाचार जगत
एम्बीशन किड्स एकेडमी एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 8 मार्च 2026
प्रात: 9 से 1 बजे तक
स्थान : एम्बीशन किड्स एकेडमी
62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
एम्बीशन किड्स एकेडमी
डॉ. मनीष जैन 'मणि'-डॉ. अलका जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर
अध्यक्ष : डॉ. एम.एल. जैन मणि-डॉ. शांति जैन
सचिव : सुरेश-आभा गंगवाल
कोषाध्यक्ष : पारस-मंजू लुहाड़िया
: आयोजन समिति :
राजेश बड़जात्या - मुख्य समन्वयक
राकेश गोदिका - मुख्य समन्वयक
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
सुनील बज - अध्यक्ष, नीरज जैन - महासचिव
कोषाध्यक्ष -प्रमोद जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
राजेश पाटनी - अध्यक्ष, संजय छाबड़ा - सचिव
कोषाध्यक्ष - कमल चन्द ठोलिया

कर्म का अटल विधान: जिनसे श्री राम और भगवान महावीर भी अछूते नहीं रहे

इस संसार में यदि कोई व्यवस्था सबसे अधिक न्यायपूर्ण और अटल है, तो वह है—कर्म का सिद्धांत। जगत की प्रत्येक आत्मा अपने कर्मों के बंधन में बंधी हुई है। यहाँ कोई भी इतना महान नहीं जो कर्मों के प्रभाव से पूर्णतः बच सके। इतिहास और धर्मग्रंथ हमें बार-बार यह स्मरण कराते हैं कि जब कर्म का उदय आता है, तो वह किसी का पक्ष नहीं करता; चाहे वह साधारण मनुष्य हो या कोई महानतम आत्मा। इसीलिए अध्यात्म में सदैव यह चेतावनी दी गई है कि मनुष्य को अपने प्रत्येक विचार और कृत्य के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए।

श्री राम और महावीर: कर्म की कसौटी पर

यदि हम धर्मग्रंथों का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को भी जीवन में कड़े संघर्षों का सामना करना पड़ा। चौदह वर्ष का वनवास, प्रिय पत्नी का वियोग और राजसुख से दूरी—ये घटनाएँ केवल संयोग नहीं, बल्कि कर्मों के सूक्ष्म विधान की ही अभिव्यक्ति थीं। श्री राम की महानता इस बात में नहीं थी कि उन्हें दुःख नहीं मिला, बल्कि इस बात में थी कि उन्होंने प्रत्येक प्रतिकूल परिस्थिति को अपूर्व धैर्य और मर्यादा के साथ स्वीकार किया। इसी प्रकार जैन धर्म के २४वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी, जिनकी आत्मा परम पवित्र थी, उन्हें भी अपनी साधना के मार्ग में घोर कष्टों का सामना करना पड़ा। उन पर हुए उपसर्गों की लंबी श्रृंखला और शारीरिक अपमान यह सिद्ध करते हैं कि कर्म का नियम इतना सूक्ष्म है कि वह फल दिए बिना शांत नहीं होता। महावीर स्वामी ने इन कष्टों को अद्भुत समता भाव से सहा, जो आज भी मानवता के लिए प्रेरणा पुंज है।

सजगता और उत्तरदायित्व

जब ऐसी महान आत्माएँ भी कर्मोदय से अछूती नहीं रहीं, तो सामान्य मनुष्य की क्या बिसात? हम अक्सर जीवन की छोटी कठिनाइयों पर दूसरों को दोष देने लगते हैं या भाग्य को कोसते हैं। जबकि सत्य यह है कि वर्तमान की परिस्थितियाँ हमारे ही पूर्व कर्मों का प्रतिफल होती हैं। यह समझ विकसित होते ही व्यक्ति का जीवन के प्रति दृष्टिकोण पूरी तरह बदल जाता है। कर्म का सिद्धांत हमें भयभीत करने के लिए नहीं, बल्कि सजग और जिम्मेदार बनाने के लिए है। हमारा हर विचार और शब्द एक बीज के समान है। यदि हम क्रोध, अहंकार और छल के बीज बोएंगे, तो भविष्य में अशांति की फसल ही काटेंगे। इसके विपरीत, दया, सत्य और करुणा के बीज जीवन को संतोष और सम्मान के फलों से भर देते हैं।

न्यायपूर्ण और निष्पक्ष व्यवस्था

आज के दौर में मनुष्य अक्सर यह सोचकर अनैतिक कार्य कर बैठता है कि उसे कोई देख नहीं रहा। किंतु कर्म का नियम वह निष्पक्ष न्यायाधीश है जो न तो रिश्वत लेता है और न ही किसी के पद या शक्ति से प्रभावित होता है। वह समय आने पर प्रत्येक कर्म का सटीक और न्यायोचित फल प्रदान करता है। अतः बुद्धिमानी इसी में है कि हम किसी भी कार्य को करने से पूर्व स्वयं से पूछें—क्या यह कर्म उचित है? क्या इससे किसी को पीड़ा तो नहीं होगी? यदि यह विवेक हमारे जीवन का हिस्सा बन जाए, तो हमारे कर्म शुद्ध होने लगेंगे और आत्मकल्याण का मार्ग सुगम हो जाएगा। महान आत्माओं का जीवन हमें शिक्षा देता है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, आचरण की पवित्रता कभी नहीं त्यागनी चाहिए। सही विचार, सही वचन और सही कर्म ही वह मार्ग हैं जो हमें शांति और परम पद की ओर ले जाते हैं।

लेखक: नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा) जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, संपर्क : 9215635871

परम पूज्य मुनि श्री निष्पक्ष सागर महाराज एवं मुनि श्री निस्पृह सागर महाराज के सानिध्य में सोलह दिवसीय जाप अनुष्ठान प्रारंभ

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद तथा उनके आज्ञानुवर्ती शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 निस्पृह सागर महाराज के मंगल सानिध्य एवं प्रेरणा से मूलनायक भगवान शांतिनाथ के जिनालय के जीर्णोद्धार सहित सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न हों, इसी मंगल कामना के साथ गुरुवार 5 मार्च 2026 से सोलह दिवसीय जाप अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया। गुरुवार दोपहर 12:30 बजे मंगलाष्टक, मंगल कलश स्थापना तथा अन्य मांगलिक क्रियाएं पूज्य मुनि श्री निष्पक्ष सागर महाराज एवं मुनि श्री निस्पृह सागर महाराज के पावन सानिध्य में सकल दिगंबर जैन समाज की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ संपन्न हुईं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु समय से पूर्व ही मंदिर पहुंच गए और पूरे वातावरण में भक्तिभाव एवं उत्साह का माहौल दिखाई दिया। समस्त कार्यक्रम मूलनायक भगवान शांतिनाथ के समक्ष विधिपूर्वक संपन्न हुआ। यह सोलह दिवसीय जाप अनुष्ठान प्रतिदिन 12 घंटे तक चलेगा, जो प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 1 बजे तक संपन्न होगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य मुनि श्री निस्पृह सागर महाराज ने कहा कि अनुष्ठान मन को नियंत्रित करने और आत्मिक शुद्धि के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि जब हम स्वयं अच्छे हैं तो हमें किसी के लिए बुरा नहीं सोचना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि जब भी कोई श्रेष्ठ कार्य प्रारंभ होता है तो वह हमारी दृढ़ता और संकल्प की परीक्षा भी लेता है। जिनालय के जीर्णोद्धार के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पुण्य और श्रेष्ठ कार्य है, और जब भी अच्छा कार्य किया जाता है तो मार्ग में बाधाएं भी आती हैं, किंतु दृढ़ संकल्प से उन्हें पार किया जा सकता है। महाराज श्री ने नमोकार मंत्र का जाप कराते हुए सोलह दिवसीय जाप अनुष्ठान का शुभारंभ कराया।

रिपोर्ट: अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी

हरियाणा सरकार ने शिव नंदीशाला सेवा ट्रस्ट ऐलनाबाद को किया सम्मानित

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। हरियाणा सरकार द्वारा 3 मार्च 2026 को हरियाणा की 602 गौशालाओं को 2025-26 की तीन महीने की चारा अनुदान राशि के चेक वितरण का कार्यक्रम धर्मार्थ गौशाला भटगांव सोनीपत में हरियाणा के गौभक्त मुख्यमंत्री माननीय नायब सिंह सैनी व मंत्रीगण व विधायक व हरियाणा गौ सेवा आयोग के चैयरमेन श्री श्रवण कुमार जी गर्ग के द्वारा 602 गौशालाओं को चारा अनुदान राशि के चैक वितरित किए गए जिसमें सिरसा जिला की शिव नंदीशाला सेवा ट्रस्ट ऐलनाबाद को सुचारू रूप से चलाने व ऐलनाबाद शहर व आसपास के गांवों को कैटल फ्री करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा शिव नंदीशाला सेवा ट्रस्ट ऐलनाबाद को सम्मानित किया गया व चारा ग्रांट का 19,31,475 रुपए का चैक प्रदान किया गया। हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित होने पर शिव नंदीशाला सेवा ट्रस्ट ऐलनाबाद व स्थानीय समाज सेवी संस्थाओं ने माननीय मुख्यमंत्री कृषि मंत्री व पशुपालन मंत्री व हरियाणा गौ सेवा आयोग के चैयरमेन श्री श्रवण कुमार जी गर्ग व पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सदस्य जिला सिरसा व फतेहाबाद के प्रभारी श्री अजीत जी सिहाग जी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पाटनी और गोधा के बीच सीधा मुकाबला

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के चुनाव 15 मार्च को प्रस्तावित हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी मुकाबला दिलीप पाटनी और आनंद गोधा के बीच सीधा रह गया है। इस प्रकार चुनाव अब युवा बनाम अनुभवी के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व न्यायाधीश एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्याशी सुशील पांड्या, बाहुबली जैन और आशीष जैन द्वारा नाम वापस लेने के बाद अब चुनाव मैदान में केवल दो ही उम्मीदवार शेष रह गए हैं। उन्होंने बताया कि 15 मार्च को उदासीन आश्रम में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। मीडिया प्रभारी राजेश जैन ''दद्दू'' ने बताया कि इस चुनाव के लिए कुल सात नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इनमें से दो नामांकन पत्र त्रुटिपूर्ण पाए जाने के कारण प्रिंसपाल टोंग्या और योगेश जैन के नामांकन निरस्त कर दिए गए थे। इसके बाद पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, लेकिन आज सुशील पांड्या, बाहुबली जैन और आशीष जैन द्वारा नाम वापसी के बाद मुकाबला अब 69 वर्षीय दिलीप पाटनी और 55 वर्षीय आनंद गोधा के बीच रह गया है। अब समाज की निगाहें 15 मार्च को होने वाले इस महत्वपूर्ण चुनाव पर टिकी हुई हैं।

भाग्य और पुरुषार्थ एक-दूसरे के पूरक हैं, परिश्रमी व्यक्ति का भाग्य भी साथ देता है : आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। पुरुषार्थ और भाग्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। आज का पुरुषार्थ ही कल का भाग्य बनता है। यह विचार आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी ने पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, बापू नगर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भाग्य और पुरुषार्थ दो ऐसे तत्व हैं जो व्यक्ति के जीवन को दिशा और ऊंचाई प्रदान करते हैं। जो व्यक्ति जीवन में परिश्रम करता है, वही अपने जीवन की ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। केवल भाग्य के भरोसे वही व्यक्ति बैठता है जो अपने कर्मों को सही ढंग से नहीं करता। सच्चा पुरुषार्थी अपने कर्मों से ही अपने भाग्य का निर्माण करता है। आर्यिका माताजी ने कहा कि दिखावा करना पागलपन है, इसलिए व्यक्ति को भावनाओं की कद्र करनी चाहिए और एक-दूसरे के पूरक बनकर जीवन जीना चाहिए। त्याग और सादगी के मार्ग पर चलने से जीवन में सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लघुता और विनम्रता से ही प्रभु की प्राप्ति संभव है। मंदिर समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि प्रातःकाल आर्यिकारत्न विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद से श्रद्धालुओं ने शांतिधारा का लाभ प्राप्त किया। दोपहर में माताजी के सानिध्य में स्वाध्याय हुआ तथा सायंकाल जिनेंद्र देव की आरती एवं गुरु भक्ति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धमार्लुजन उपस्थित रहे।

नारी शक्ति और नेतृत्व की अनूठी मिसाल

नारी शक्ति को समाज में शीर्ष स्थान और गरिमामयी ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए संकल्पित, संगिनी ग्रुप की अध्यक्ष, जनकपुरी महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष, सम्यक ग्रुप की संरक्षिका, एवं दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान की महिला अंचल अध्यक्ष, अनेक प्रतिष्ठित दायित्वों को अपने कुशल नेतृत्व, ओजस्वी व्यक्तित्व और समर्पित सेवाभाव से गौरवान्वित करने वाली आदरणीया

श्रीमती शकुंतला बिंदायका जी

को जन्मदिवस की अनंत मंगलकामनाएं

आपका व्यक्तित्व केवल पदों तक सीमित नहीं है, बल्कि आप प्रेरणा का वह प्रकाशपुंज हैं जो असंख्य महिलाओं को आत्मविश्वास, साहस और स्वाभिमान की राह दिखाता है। आपकी कर्मनिष्ठा, मृदु व्यवहार और समाज के प्रति निस्वार्थ समर्पण हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

हमारी मंगल भावना

ईश्वर से प्रार्थना है कि आपका जीवन सदैव यश, कीर्ति, उत्तम स्वास्थ्य और आध्यात्मिक आनंद से आलोकित रहे। आपके कुशल मार्गदर्शन की छाया हम सभी पर सदैव बनी रहे। जन्मदिन की पुनः हृदय से कोटि-कोटि शुभकामनाएं!